ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के लिए 5,801 करोड़ रुपये मंजूर, तीन साल में रूट पर दौड़ने लगेगे ब्लू लाइन मेट्रो

मेट्रो के नए कॉरिडोर में होंगे 12 स्टेशन

बदलता लखनऊ

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। कैबिनेट से मंजूरी के बाद चारबाग से वसंतकुंज तक मेट्रो के ईस्ट वेस्ट कारिडोर के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार के बाद अब इसे मंजूरी के लिए केन्द्र सरकार को भेजा जाएगा। केन्द्र की मंजूरी मिलने के बाद निर्माण व अन्य कामों के टेण्डर शुरू होंगे। 11.165 किलोमीटर लम्बे इस कारिडोर के निर्माण पर लगभग 5,801 करोड़ रुपये खर्च होगा। ईस्ट बेस्ट कारिडोर अमीनाबाद, पाण्डेयगंज, मेडिकल कालेज व चौक जैसे व्यस्त इलाकों को जोड़ेगा। इसे ब्लू लाइन नाम दिया गया है। 23 जून 2027 तक इसका निर्माण पूरा हो जाएगा।

राजधानी में अभी मेट्रो के नार्थ साउथ कॉरिडोर के करीब 23 किलोमीटर हिस्से पर ही मेट्रो चल रही है। जबकि ईस्ट वेस्ट कारिडोर के

1

06 साल पहले सरकार को मंजूरी के लिए भेजी गई थी डीपीआर

23 जून 2027 तक इसका निर्माण पूरा हो जाएगा

11.165 किलोमीटर के हिस्से के निर्माण के लिए यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन ने वर्ष 2018 में राज्य सरकार को मंजूरी के लिए डीपीआर भेजा था। लेकिन इसकी मंजूरी नहीं मिल पायी। जिसकी वजह से प्रस्ताव लटका रहा। निर्माण नहीं शुरू हो पाया। बाद में राज्य सरकार ने यूपी मेट्रो से इसका डीपीआर रिवाइज कराया था। मेट्रो कोच की संख्या कम करने तथा स्टेशनों को छोटा करने को कहा था। यूपी मेट्रो ने संशोधित डीपीआर भी शासन को वर्ष 2019 में भेज दी थी। अब शासन से इसकी मंजूरी के बाद निर्माण का रास्ता खुल गया है।

11.16

किमी के करीब होगा यह कॉरिडोर

- डीपीआर अप्रूवल को जाएगी केंद्र

ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर (ब्लू लाइन) एक नजर में

ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर	चारबाग से वसंत कुंज
कॉरिडोर की लंबाई	11.165 किमी
एलिवेटेड लंबाई	4.286 किमी
भूमिगत लंबाई	6.879 किमी
कॉरिडोर में स्टेशन	12
भूमिगत स्टेशन	7
भूमिगत की लम्बाई	6.879 किमी
ओवर हेड स्टेशन	5
ओवर हेड की लम्बाई	4.286

ये होंगे मेट्रो स्टेशन

चारबाग भूमिगत, गौतमबुद्ध नगर भूमिगत, अमीनाबाद भूमिगत, पांडेयगंज भूमिगत, सिटी स्टेशन भूमिगत, मेडिकल चौराहा भूमिगत, नवाजगंज भूमिगत, ठाकुरगंज एलिवेटेड, बालागंज एलिवेटेड, सरफराजगंज एलिवेटेड, मूसाबाग ऊंचा, बसंत कुंज ऊंचा।

पांच एलिवेटेड स्टेशन

चारबाग और बसंतकुंज के बीच ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन होंगे। इनकी लंबाई 11.165 किमी होगी। इसमें 4.286 किमी लंबाई वाले पांच एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन होंगे। 6.879 किमी की लंबाई वाले सात भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनेंगे।

बसंतकुंज में बनेगा डिपो

ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर डिपो बसंतकुंज योजना में बनेगा। एलडीए ने पहले ही मेट्रो को 30 एकड़ जमीन दी है। डिपो में मेट्रो ट्रेनें खड़ी होंगी।

चारबाग बनेगा जंक्शन

चारबाग मेट्रो के स्टेशन का जंक्शन प्वाइंट होगा। यहीं नार्थ साउथ और ईस्ट वेस्ट कारिडोर आपस में जुड़ेगा। एयरपोर्ट से आने वाले लोगों को अगर अमीनाबाद, चौक, मेडिकल कालेज व बसंतकुंज जाना होगा तो यहीं ट्रेन बदलनी होगी। अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो चलने से चारबाग मेट्रो स्टेशन दोनों कॉरिडोर यानी उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर और पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर के लिए एक जंक्शन के रूप में काम करेगा।